

भारत का डायरेक्ट सैलिंग उद्योग 2025 में रु23,000 करोड़ के पार पहुंचा;
अगले वित्तीय वर्ष तक रु 25,000 करोड़ से ज्यादा होने की उम्मीद



भास्कर समाचार सेवा

नई दिल्ली। डायरेक्ट सैलिंग उद्योगिता की दृष्टि से भारत के मुख्य प्लेटफॉर्मों में से एक बन चुका है, जो विक्रेताओं को स्थायी आजीविका के साधन उपलब्ध करा रहा है, खास बात यह है कि महिलाएं इस विकास में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। अउएकडायरेक्ट सैलिंग इंडस्ट्री रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई, जिसे आज भारत मंडपम में एसोसिएशन ऑफ डायरेक्ट सैलिंग एंटीटीज ऑफ इंडिया (अउएक) ने अपने रिसर्च पार्टनर कांतार के सहयोग से जारी किया। कांतार दुनिया की मुख्य मार्केटिंग डेटा और एनालिटिक्स कंपनियों में से एक है। रिपोर्ट के अनुसार, 91 लाख भारतीय

एक्टिव डायरेक्ट सैलर हैं, जिनमें से 47 फीसदी महिलाएं हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह उद्योग रु23,522 करोड़ का था तथा एक अनुमान के मुताबिक यह 7 फीसदी सीएजीआर की दर से बढ़ते हुए अगले वित्तीय वर्ष तक रु 25,000 करोड़ के आंकड़े को पार कर जाएगा। आज भारत दुनिया के टॉप 15 डायरेक्ट सैलिंग मार्केट्स में 11वें स्थान पर है। रिपोर्ट जारी करते हुए अउएक के प्रेसिडेंट डॉ. संजीव कुमार ने कहा, 'यह रिपोर्ट भरोसेमंद मात्रात्मक और गुणात्मक आंकड़ों के साथ इस बात पर रोशनी डालती है कि डायरेक्ट सैलिंग भारत के विकास में कितना बड़ा योगदान दे रही है।